web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, बुधवार 01 जनवरी 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 94

इसरो ने लहराया भारत का परचम, स्पैडेक्स मिशन सफलतापूर्वक लॉन्च

नई दिल्ली । आरएनएस

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को स्पैडेक्स मिशन को सफलतापूर्वक लॉन्च किया, जिसका लक्ष्य अंतरिक्ष में डॉकिंग तकनीक में महारत हासिल करना है।

स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट (स्पैडेक्स) मिशन के तहत दो उपग्रहों को 30 दिसंबर को श्रीहरिकोटा से पीएसएलवी-सी60 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया गया। रॉकेट ने दोनों उपग्रहों को कुछ दूरी पर एक ही कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया। इसरो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, स्पैडेक्स तैनात! स्पैडेक्स उपग्रहों का सफल पृथक्करण भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक और मील का पत्थर है। इससे पहले रॉकेट की लॉन्चिंग पर उसने लिखा था, लिफ्टऑफ! पीएसएलवी-सी60 ने स्पैडेक्स और 24 पेलोड को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया।

अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत अब डॉकिंग तकनीक में महारत हासिल करने वाला चौथा देश बनेगा। अंतरिक्ष मामलों के राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने इस सफलता पर एक्स पर लिखा, भारत अपने स्वदेशी रूप से विकसित 'भारतीय डॉकिंग सिस्टम' के माध्यम से अंतरिक्ष डॉकिंग की क्षमता की दिशा में कदम बढ़ाने वाले चुनिंदा देशों की सूची में शामिल होने वाला चौथा देश बन गया है। सिंह ने कहा कि यह तकनीक गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए आकाश से आगे की यात्रा का मार्ग प्रशस्त करेगी। इसरो ने कहा कि स्पैडेक्स (स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट) ऑर्बिटल डॉकिंग में भारत की क्षमता स्थापित करने के लिए एक अग्रणी मिशन है, जो भविष्य के मानव अंतरिक्ष उड़ान और उपग्रह सर्विसिंग मिशनों के लिए एक महत्वपूर्ण तकनीक है।

पीएसएलवी ने दो छोटे अंतरिक्ष यान – एसडीएक्स01 (जो डॉकिंग प्रयोग के दौरान चेजर की भूमिका निभाएगा) और एसडीएक्स02 (जो टारगेट की भूमिका निभाएगा) को लेकर उड़ान भरी। प्रत्येक का वजन लगभग 220 किलोग्राम था। उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षा में डॉकिंग के लिए एक साथ जोड़ा गया। इसरो करीब चार दिन में दोनों उपग्रहों के बीच पर्याप्त दूरी बनाने के बाद 'भारतीय डॉकिंग सिस्टम' के सॉफ्टवेयर को सक्रिय करेगा।

इसमें चार डॉकिंग सेंसर, पावर ट्रांसफर प्रौद्योगिकी, स्वदेशी नवीन स्वायत्त डॉकिंग रणनीति, तथा उपग्रहों के बीच स्वायत्त संचार के लिए एक अंतर-उपग्रह संचार लिंक (आईएसएल) शामिल है। इसमें एक अंतर्निहित इंटेलिजेंस भी शामिल है जिससे दोनों उपग्रह एक-दूसरे की स्थिति का पता लगा सकते हैं। अंतरिक्ष डॉकिंग तकनीक में महारत हासिल करने से भारत न केवल अंतरिक्ष यात्रा करने वाले देशों के विशिष्ट क्लब में शामिल हो सकता है। यह भारत के आगामी अंतरिक्ष अभियानों के लिए भी महत्वपूर्ण है, जिसमें चंद्रमा मिशन, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना और पृथ्वी से जीएनएसएस के समर्थन के बिना चंद्रयान-4 जैसे चंद्र मिशन शामिल हैं।

इसरो के अनुसार, डॉकिंग के बाद दोनों उपग्रहों के बीच बिजली का हस्तांतरण भी होगा, जो समग्र अंतरिक्ष यान नियंत्रण, और अनडॉकिंग के बाद पेलोड संचालन जैसे अंतरिक्ष रोबोटिक्स एप्लिकेशन के लिए आवश्यक है। स्पैडेक्स प्रयोगों के लिए पीएसएलवी के चौथे चरण, पीओईएम-4 का भी उपयोग करेगा। इस चरण में शैक्षणिक संस्थानों और स्टार्टअप्स के 24 पेलोड भी अंतरिक्ष में स्थापित किए जाएंगे।

भारत अंतरिक्ष डॉकिंग में महारत हासिल करने वाला चौथा देश बनने की ओर अग्रसर : अमित शाह

नए साल की शुरुआत से पहले इसरो ने देशवासियों को खुशखबरी दी है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अंतरिक्ष में स्पैडेक्स मिशन को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। इसरो के इस उपलब्धि पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर खुशी जाहिर की।
एक्स पोस्ट में केंद्रीय गृहमंत्री ने लिखा कि भारत अंतरिक्ष डॉकिंग में महारत हासिल करने वाला चौथा देश बनने की ओर अग्रसर है। स्पैडेक्स मिशन के सफल प्रक्षेपण पर इसरो टीम को बधाई। यह एक शानदार सफलता है जो अंतरिक्ष डॉकिंग तकनीक में भारत के लिए एक नया रास्ता खोलती है। आगे की यात्रा के लिए हमारे प्रतिभाशाली लोगों को मेरी शुभकामनाएं।
भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि इसरो का नया कीर्तिमान। पीएसएलवी-सी60 रॉकेट द्वारा स्पैडेक्स मिशन के सफल लॉन्च पर इसरो की पूरी टीम को बधाई। इस अभियान की सफलता के साथ ही भारत ये तकनीक हासिल करने वाला चौथा देश बन जाएगा। 2024 के अंत में इसरो की यह महत्वपूर्ण उपलब्धि 140 करोड़ देशवासियों को गौरवान्वित करने वाली है। उल्लेखनीय है कि स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट (स्पैडेक्स) मिशन के तहत दो उपग्रहों को 30 दिसंबर को श्रीहरिकोटा से पीएसएलवी-सी60 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया गया। रॉकेट ने दोनों उपग्रहों को कुछ दूरी पर एक ही कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया।
इसरो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, स्पैडेक्स तैनात! स्पैडेक्स उपग्रहों का सफल पृथक्करण भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक और मील का पत्थर है।
इससे पहले रॉकेट की लॉन्चिंग पर उसने लिखा था, लिफ्टऑफ! पीएसएलवी-सी60 ने स्पैडेक्स और 24 पेलोड को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया।
अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत अब डॉकिंग तकनीक में महारत हासिल करने वाला चौथा देश बनेगा।
अंतरिक्ष मामलों के राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने इस सफलता पर एक्स पर लिखा, भारत अपने स्वदेशी रूप से विकसित 'भारतीय डॉकिंग सिस्टम' के माध्यम से अंतरिक्ष डॉकिंग की क्षमता की दिशा में कदम बढ़ाने वाले चुनिंदा देशों की सूची में शामिल होने वाला चौथा देश बन गया है। सिंह ने कहा कि यह तकनीक गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए आकाश से आगे की यात्रा का मार्ग प्रशस्त करेगी।

महत्वपूर्ण एवं खास

बालोद में स्कूली बच्चों भरी गाड़ी पलटी, एक की मौत, 4 गंभीर

बालोद (आरएनएस)। स्कूली बच्चों से भरी गाड़ी के पलटने से एक बच्चे की मौके पर मौत हो गई, वहीं चार बच्चे घायल हो गए. घायल बच्चों में से एक ही हालत नाजुक बताई जा रही है. नया साल शुरू होने से महज एक दिन पहले घटित यह घटना साहू परिवार को ताउम्र दुख देती रहेगी. जानकारी के अनुसार, ग्राम निपानी स्थित आत्मानन्द स्कूल में अध्ययनरत 12 बच्चे वाहन टाटा मैजिक में सवार होकर स्कूल जा रहे थे. बालोद थाना क्षेत्र के सोनपुर के पास चालक की लापरवाही के कारण गाड़ी पलट गई, जिससे वाहन में सवार 12 वर्षीय कुणाल साहू की मौत हो गई, वहीं 4 बच्चे घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए गुरुर अस्पताल लाया गया. घायल बच्चों में से एक की हालत को नाजुक देखते हुए बड़े अस्पताल रेफर किया गया है. घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई है.

छत्तीसगढ़ में नए साल की कंपकंपाती ठंड से होगी शुरुआत, शीतलहर के साथ धुंध भी

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में ठंड अब लोगों को सताने वाली है. अगले 5 दिनों तक मौसम शुष्क (ड्राय) रहेगा. तापमान में सोमवार से गिरावट देखने को मिलेगी. दो जनवरी तक न्यूनतम तापमान में 6 से 8 डिग्री तक गिरावट आएगी. रविवार को मनेन्द्रगढ़ भरतपुर जिले में बारिश हुई. सबसे अधिकतम 31.2 डिग्री में दर्ज किया गया. वहीं बलरामपुर एक बार फिर सबसे ज्यादा ठंडा रहा, यहां 12.6 डिग्री दर्ज किया गया है। मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा के अनुसार, 31 दिसंबर यानी नए साल की शुरुआत में उत्तरी शेत्र में शीतलहर रहने की संभावना है. राजधानी रायपुर में मौसम साफ रहेगा. मौसम में ठंडक बढऩे के साथ कोहरे की स्थिति बनी रहती है. ऐसे में वन क्षेत्र में कोहरा छाए रहेगा. राजधानी रायपुर में अधिकतम तापमान 29 डिग्री तो न्यूनतम तापमान 18 डिग्री रहने की संभावना जताई गई है.

15 दिन बाद लग सकती है आचार संहिता, नगरीय निकाय चुनाव का होगा ऐलान

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों के आम निर्वाचन 2024-25 कराए जाने हेतु फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली तैयार करने के लिए पूर्व में जारी कार्यक्रम (समय-अनुसूची) में संशोधित करते हुए 01 जनवरी 2025 के प्रतिनिर्देश से कार्यक्रम (समय-अनुसूची) आदेश जारी किया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने बताया कि जारी कार्यक्रम के अनुसार द्वितीय चरण में 31 दिसम्बर से निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन एवं दावे तथा आपत्तियां प्राप्त की जाएगी तथा मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को निर्वाचक नामावली भी इसी तिथि को उपलब्ध कराई जाएगी। दावे-आपत्तियां प्राप्त करने की अंतिम तिथि 06 जनवरी 2025 को अपरान्ह 03 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। प्राप्त दावे-आपत्तियों के निपटारे की अंतिम तिथि 09 जनवरी है।

मुर्शिदाबाद : पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में दो युवकों को किया गिरफ्तार

मुर्शिदाबाद । आरएनएस

पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने मुर्शिदाबाद के नवादा थाना क्षेत्र से साजिबुल इस्लाम (24) और मुस्तकीम मंडल (26) को आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

दोनों के खिलाफ नवादा थाने में मामला दर्ज किया गया है। सजीबुल अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के भारत मॉड्यूल प्रमुख साब शेख का चचेरा भाई है। यह कदम असम पुलिस के एसटीएफ से मिली सूचना के बाद उठाया गया है।

साब को एबीटी नेतृत्व ने पश्चिम बंगाल, असम और केरल में युवाओं को कट्टरपंथी बनाकर आतंकी मॉड्यूल बनाने के लिए भारत भेजा था। उसे असम पुलिस एसटीएफ ने केरल से गिरफ्तार किया था।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अवैध रूप से घुसने के बाद आरोपी साब शुरू में साजिबुल के घर पर ही रहा था। साजिबुल मूल रूप से बांग्लादेशी है, लेकिन बाद में उसका नाम मुर्शिदाबाद में दो अलग-अलग जगहों की मतदाता सूचियों में दर्ज पाया गया। जिला प्रशासन ने सोमवार को उसका नाम मतदाता सूची से हटा दिया। मुस्तकीम को साजिबुल से संबंधों के कारण पकड़ा गया। वह 9वीं कक्षा का ड्रॉपआउट है।

पश्चिम बंगाल पुलिस एसटीएफ ने पूछताछ के लिए तीसरे संदिग्ध को भी हिरासत में लिया है, लेकिन उसका नाम अभी पता नहीं चल पाया है। हाल ही में असम पुलिस एसटीएफ ने मुर्शिदाबाद के हरिहरपारा से दो आतंकी संदिग्ध मिनारुल शेख और मोहम्मद अब्बास को गिरफ्तार किया था। दोनों का संबंध एबीटी से था।

दिल्ली पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों पर की कार्यवाई, पकड़े गए मां-बेटे

नई दिल्ली । आरएनएस

दक्षिण पश्चिम दिल्ली की पुलिस टीम ने अवैध रूप से रह रहे दो बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान नईम खान और उसकी मां नजमा खान के रूप में हुई है।

नईम खान (22 वर्ष) बांग्लादेश के खुलना जिले के ग्राम सुंदर गुना का निवासी है। नईम ने 2020 में पश्चिम बंगाल की सीमा के माध्यम से भारत में प्रवेश किया था। मां-बेटा कटवारिया सराय में रहते हैं। पुलिस टीम को 29 दिसंबर 2024 को गुप्त सूचना मिली कि एक संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिक दिल्ली के पिप्पल चौक स्थित शास्त्री मार्केट में मौजूद है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने नईम खान को

गिरफ्तार किया और वेरिफाई किया तो बांग्लादेशी होने का पता चला।

नईम ने बताया कि उसके परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी, जिसके कारण वह स्कूल नहीं जा सका और भारत में अवैध रूप से प्रवेश किया। मां नजमा भी लगभग 20 साल पहले बेनापोल सीमा से भारत आई थी और कटवारिया सराय में घरेलू काम करती थीं।

पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर एफआरआरओ के माध्यम से बांग्लादेश डिपोर्ट कर दिया। पुलिस ने कहा कि वे अन्य अवैध प्रवासियों की पहचान करने के लिए प्रयास तेज करेंगे।

यह कार्रवाई दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस द्वारा दिल्ली में अवैध प्रवासियों की पहचान और उनका निष्कासन सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों का हिस्सा है।

इससे पहले दिल्ली में पकड़े गए 12 अवैध रोहिंग्या मुसलमानों को लेकर साउथ ईस्ट दिल्ली के डीसीपी रवि कुमार सिंह ने बताया कि सभी को डिटेंशन कैंप भेजा जाएगा। अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्याओं को लेकर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

डीसीपी रवि कुमार ने बताया था, इस साल अभी तक 12 बांग्लादेशियों को पकड़ा गया है। इस पर अलग-अलग थानों सरिता विहार और कालिंदी कुंज की टीम ने मिलकर काम किया है। भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों पर दिल्ली पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस टीम इनको लगातार तलाश कर रही है।

भारत का रक्षा निर्यात एक दशक पहले के 2,000 करोड़ रुपये से बढ़कर रिकॉर्ड 21,000 करोड़ रुपये को पार कर गया : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

महू । आरएनएस

भारत का रक्षा निर्यात एक दशक पहले के 2,000 करोड़ रुपये से बढक़र रिकॉर्ड 21,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने मध्य प्रदेश के दौरे के दौरान महू छावनी में आर्मी वॉर कॉलेज (एडब्ल्यूसी) में अधिकारियों को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत ने 2029 तक 50,000 करोड़ रुपये का रक्षा निर्यात हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, हमारा रक्षा निर्यात, जो एक दशक पहले लगभग 2,000 करोड़ रुपये था, अब 21,000 करोड़ रुपये के प्रभावशाली स्तर को पार कर गया है। इसी के साथ हमने 2029 तक 50,000 करोड़ रुपये का निर्यात लक्ष्य रखा है। उन्होंने जानकारी दी कि भारत में बनाए गए उपकरणों (मेड इन इंडिया इक्विप्मेंट) को दूसरे देशों में भेजा जा रहा है। सिंह ने कहा कि लगातार आगे बढ़ते और विकसित होते समय में एडवांस टेक्नोलॉजी में निपुणता हासिल करना समय की मांग है।

उन्होंने आगे कहा कि सैनिकों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने में मिलिट्री ट्रेनिंग सेंटर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने भाषण में कहा, इंफॉर्मेशन वॉरफेयर, एआई बेस्ड वॉरफेयर, प्रॉक्सी वॉरफेयर, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वॉरफेयर, स्पेस वॉरफेयर और साइबर अटैक बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं।

उन्होंने इस तरह के हमलों से लडऩे के लिए सेना को अच्छी तरह से प्रशिक्षित और सुसज्जित होने की जरूरत पर जोर दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इन्फेंट्री स्कूल में वेपन ट्रेनिंग, मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (एमसीटीई) में एआई और कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी, एडब्ल्यूसी में जूनियर और सीनियर कमांड जैसे क्षेत्रों में ट्रेनिंग के जरिए इंटीग्रेशन बढ़ाने की संभावनाओं का पता लगाने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, कुछ अफसर भविष्य में दूसरे देशों में दूतावास या उच्चायोग में नियुक्त होंगे, जिनकी जिम्मेदारी अहम होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन अधिकारियों को वैश्विक स्तर पर राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने का प्रयास करना चाहिए। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि सरकार भारत को दुनिया की सबसे मजबूत आर्थिक और सैन्य शक्तियों में से एक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा, आर्थिक समृद्धि तभी संभव है जब सुरक्षा पर पूरा ध्यान दिया जाए। इसी तरह, सुरक्षा व्यवस्था तभी मजबूत होगी जब अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। रक्षा मंत्री सिंह ने सीमाओं की सुरक्षा और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सबसे पहले प्रतिक्रिया देने में सशस्त्र बलों की भूमिका की सराहना की।

भारत-पाक बॉर्डर पर तैनात बीएसएफ के जवानों ने दी नव वर्ष की शुभकामनाएं

जम्मू । आरएनएस

नव वर्ष 2025 को लेकर जम्मू-कश्मीर में भारत-पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर हाई अलर्ट जारी किया गया है। बीएसएफ के जवान यहां पर किसी भी चुनौती से निपटने के लिए तैयार हैं। कड़ाके की ठंड में यहां पर बीएसएफ के जवानों द्वारा बॉर्डर पर पैनी नजर रखी जा रही है। सुरक्षा को लेकर बीएसएफ जवानों की क्या-क्या तैयारियां हैं। इसे लेकर आईएएनएस ने कुछ बीएसएफ के जवानों से बात की।

बीएसएफ के एक जवान ने बताया कि चुनौती साल के 365 दिन रहती है, लेकिन जब कोहरा बढ़ता है तो चुनौती दोगुनी हो जाती है। चुनौती चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हो, हम दुश्मनों दूसरों को विफल करने का हर संभव प्रयास करते हैं और हम ऐसा करने में सफल भी होते हैं। मैं देश के सभी नागरिकों को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

एक महिला बीएसएफ कर्मी ने बताया कि ठंड में चुनौतियां काफी बढ़ जाती हैं, क्योंकि कोहरा और पाला हमारे लिए बड़ी चुनौती बनते हैं। हम सीमाओं पर तैनात हैं और बीएसएफ की ओर से सभी नागरिकों को ढेर सारी शुभकामनाएं देना चाहते हैं। हमारे लिए तो पूरा देश ही हमारा परिवार है। देश नव वर्ष को धूमधाम से मनाए हम लोग बीएसएफ परिवार के साथ ही नव वर्ष मनाते हैं। पिछले कुछ वर्षों में खासतौर पर जम्मू क्षेत्र में पाकिस्तान ने आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की कोशिश की है।

अयोध्या से लेकर यूएई तक भारत की समृद्ध संस्कृति का लहराया परचम

नई दिल्ली । आरएनएस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 10 साल में भारत ने सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने मजबूती के साथ प्रदर्शित किया है। साल 2024 में सांस्कृतिक पुनर्जागरण के एक नए युग की शुरुआत हुई। 22 जनवरी को अयोध्या में श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा हुई तो फरवरी 2024 में यूएई में भव्य मंदिर का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों हुआ। दुनिया ने सनातन का डंका बजते देखा।

500 साल के बाद भगवान राम का आगमन अयोध्या में हुआ। यहां पर प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद से अब तक करोड़ो भक्त अयोध्या पहुंचे। चहुमुखी विकास हुआ। पर्यटन को बढ़ावा मिला तो रोजगार के कई अवसर भी पैदा हुए। 2024 की विदाई देते हुए नव वर्ष में हम महाकुंभ जैसे भव्य आयोजन संग प्रवेश कर रहे हैं।13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित होने वाला महाकुंभ हमारे देश की समृद्ध, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने प्रदर्शित करेगा।

इस वर्ष की शुरुआत अयोध्या में श्री राम लला की ऐतिहासिक प्राण-प्रतिष्ठा के साथ हुई, जिसने लाखों लोगों के सदियों पुराने सपने को पूरा किया। श्री राम अपने जन्मस्थान पर लौटे। 2024 में पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत की सभ्यतागत विरासत और सांस्कृतिक गौरव का उल्लेखनीय कायाकल्प हुआ।

अयोध्या राम मंदिर में श्री राम लला का अभिषेक एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक और सांस्कृतिक क्षण था, जिसने दुनिया भर के हिंदुओं की सदियों पुरानी आकांक्षा को पूरा किया। इस घटना ने भारत की सभ्यतागत कथा में अयोध्या के स्थायी महत्व को रेखांकित किया। पीएम मोदी द्वारा अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर, बीएपीएस मंदिर का उद्घाटन भारत की सांस्कृतिक कूटनीति की सफलता का ऐतिहासिक क्षण था। इसे प्राचीन हिंदू स्थापत्य सिद्धांतों के अनुसार डिजाइन किया गया है। ये न केवल प्रवासी भारतीयों के योगदान का जश्न बना बल्कि वैश्विक अंतरधार्मिक सद्भाव का भी प्रतीक बना।

पूर्वोत्तर में भी संस्कृति को सहेजने की मंशा आकार लेते दिखी। असम में प्रतिष्ठित मां कामाख्या मंदिर तक पहुंच बढ़ाने के लिए मां कामाख्या दिव्य परियोजना की आधारशिला रखी गई। जबकि इसकी पवित्र विरासत को संरक्षित किया गया। ये पहल भारत की विरासत को पुनर्जीवित करने और इसके गौरवशाली अतीत पर गर्व करने के लिए पीएम मोदी की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

मोदी सरकार के प्रयासों से असम में मोइदम को भारत के 43वें यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता मिली। जिसने भारत की सांस्कृतिक विरासत के वैश्विक महत्व को प्रदर्शित किया। कुरुक्षेत्र में अनुभव केंद्र के उद्घाटन ने महाभारत और भगवद गीता जैसे प्राचीन ग्रंथों को जीवंत कर दिया, जो भारत की विरासत को सुलभ और अनुभवात्मक बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। गुजरात में ऐतिहासिक कोचरब आश्रम के पुनर्विकास ने गांधीवादी मूल्यों के संरक्षण के लिए सरकार के समर्पण की पुष्टि की।

संभल में श्री कल्कि धाम की आधारशिला ने आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्रों को बढ़ावा देने पर अपना ध्यान केंद्रित किया। ये प्रयास भारत के प्राचीन ज्ञान को संरक्षित करने की कोशिश को दर्शाता है। इतना ही नहीं, साल 2024 में खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने 1.5 लाख करोड़ रुपये का कारोबार पार किया और 10 लाख नौकरियां पैदा की। जो आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक है। यह वृद्धि खादी के वैश्विक उत्थान को इको-फैशन स्टेटमेंट के रूप में उजागर करती है, जो वोकल फ़ॉर लोकल द्वारा संचालित है।

2024 में भारत ने असमिया, बंगाली, मराठी, पाली और प्राकृत को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देकर अपनी भाषाई विविधता का जश्न मनाया। यह मान्यता न केवल देश की समृद्ध भाषाई विरासत का सम्मान करती है बल्कि पीढ़ियों में सांस्कृतिक संरक्षण को भी मजबूत करती है। 13 जून, 2024 को पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर के सभी चार द्वारों को फिर से खोलने से भक्तों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हुई और इस प्रतिष्ठित आध्यात्मिक स्थल तक पहुंच बहाल हुई।